रा0 उ0 म0 वि0 औसानी,बगहा–2, प0 चम्पारण से संबंधित

केस स्टडी

केस स्टडी के प्रस्तुतकर्ताः– शैलेन्द्र कुमार, प्रखण्ड शिक्षक,
रा0 उ0 म0 वि0 औसानी,बगहा–2 प0 चम्पारण।

प्रखण्ड बगहा–2 के मंगलपुर औसानी पंचायत में रा0 उ0 म0 वि0 औसानी अवस्थित है। प्रखण्ड साधनसेवी के पद से विरमन के उपरान्त दिनांक 08.08.2022 को इस विद्यालय में मैने योगदान किया। विद्यालय की दैनिक गतिवधियों के अवलोकनोपरान्त मैने अनुभव किया कि इसमें काफी कुछ सुधार की आवश्यक्ता है। इस विद्यालय के अधिकांश बच्चे महादलित, अल्पसंख्यक एवं पिछड़े समुदाय से आते हैं। पूर्व के विद्यालयों में एक शिक्षक तथा प्रखण्ड साधनसेवी के रुप में किये गए कार्यों एवं प्राप्त अनुभवों के आधार पर मन में यह विश्वास था कि इस विद्यालय में मुझे जमीनी स्तर से कार्य करने का अवसर मिलेगा तथा सबों के सहयोग से मैं इस विद्यालय को एक आदर्श विद्यालय का स्वरूप प्रदान कर सकूँगा।

समस्याओं की पहचान एवं समाधान–

1. चेतना सत्र एवं दैनिक सत्र समापन सभा का संचालन :– मैने विद्यालय के चेतना सत्र में देखा कि बच्चों की उपस्थिति भी संतोषजनक नही थी। अधिकतर बच्चे विद्यालय विलम्ब से आ रहे थे। विद्यालय परिसर की साफ–सफाई नियमित रुप से नहीं होती थी। अधिकतर बच्चे साफ–सफाई के साथ एवं विद्यालय परिधान में नही आते थे। चेतना सत्र सुव्यवस्थित, रोचक एवं आकर्षक नहीं था।

सुधार :– इस हेतु मैने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका के सहमति से सभी शिक्षक–शिक्षिकाओं के सहयोग से चेतना सत्र को सुव्यवस्थित, रोचक एवं आकर्षक बनाने की योजना बनाई गई। बाल–संसद, मीना–मंच, अभिभावक–शिक्षक गोष्ठी एवं विद्यालय शिक्षा समिति की बैठकों में भी परामर्श, सुझाव तथा सहमति ली गई। अब शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रतिदिन वर्गावार छात्र–छात्राओं की सहभागिता से विद्यालय परिसर की साफ–सफाई एवं चेतना सत्र का आयोजन किया जाता है। प्रतिदिन ध्वनिविस्तारक यंत्र के माध्यम से चेतना–सत्र में प्रार्थना, अभियान गीत, संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार एवं कर्त्तव्य का वाचन, सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी, ज्ञानवर्द्धक जानकारी, संगीतमय एरोबिक्स/जुम्बा व्यायाम इत्यादि विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है। दैनिक

गतिविधियों के निष्पादन के उपरान्त छुट्टी के समय अभियान गीत, नारों, राष्ट्रगान, नैतिक मूल्यों एवं आचरण के संकल्प के साथ सत्र का समापन किया जाता है तथा बच्चे पंक्तिबद्ध होकर अपने घर के लिए प्रस्थान करते है।

प्रभाव :– चेतना सत्र सुव्यवस्थित, रोचक एवं आकर्षक होने के कारण बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है। बच्चे नियमित एवं ससमय उपस्थित होकर चेतना सत्र में काफी उत्साह के साथ भाग लेते है।

चतना सत्र में पूर्व की स्थिति

बाद की स्थिति एवं चेतना सत्र में उपस्थित प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी

चेतना सत्र का लिंक :–

(1) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0NaDMxA8w4psKAnVA74XRaUfX9eDi5cvxCb1iatkAyvyFTJP8icXAZxQvWnKEC1rBl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

(2) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0bQbE21gzWnrcDarvbSswQfv8pFXCRck8xqB2LdAtWMgEUB6L7FkqScHPKDA6snzsl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

2. संसाधनों की कमी :– यह अनुभव किया गया कि हमारे विद्यालय केवल सरकारी वित्तपोषण पर निर्भर है। आधुनिक समय के हिसाब से विद्यालय एवं बच्चों की आवश्यकता के अनुसार समय–समय पर अतिरिक्त संसाधन मुहैया कराने की आवश्यकता है। इस हेतु समग्र विद्यालय अनुदान के अलावा अन्य कोई स्त्रोत उपलब्ध नहीं है।

समाधान :– विद्यालय प्रबंधन एवं विकास में ग्रामीणों तथा आमजन की भागीदारी बढ़ाने एवं संसाधन

मुहैया कराने हेतु विद्यालय द्वारा **'एक सामान विद्यालय के नाम'** योजना शुरु की गई है। इसका बहुत ही सकारात्मक प्रभाव पड़ा है और एक स्थानीय समाजसेवी श्रीमती विजयाश्री सिंह द्वारा बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से एक कम्प्यूटर सेट प्रदान किया गया है। अन्य लोगों द्वारा भी विद्यालय को अनेक उपयोगी संसाधन प्राप्त हो रहे है।

प्रभाव :– बच्चों को कम्प्यूटर शिक्षा की प्राप्त हो रही है। विद्यालय में किये जा रहे अनेक नवाचारों के फलस्वरुप स्थानीय अभिभावकों एवं ग्रामीणों में विद्यालय के प्रति सकारात्मक बदलाव दिख रहा है।

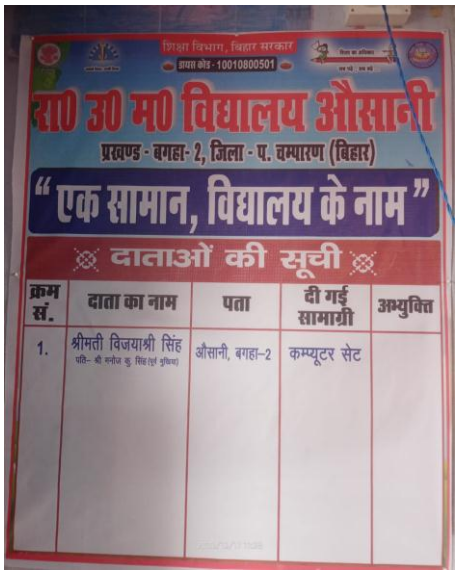

कम्प्यूटर क्लास उद्घाटन का लिंक :–

(1) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02QBG5W5YxHPaXgXdv1LQsayX1LZUrxcirvCjxyqvD7iRqsHa3KKuLue5q2CZcNRHFl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

(2) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0hwzASqzwpw6cfidE3SRVL54dWFvTtqjdEoMTEcXzWqELkfQ8RRXeyQwRdKq4mXvPl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

3. विज्ञान या जादू :– यह अनुभव किया कि बच्चों में विज्ञान विषय के प्रति रुचि एवं जागरुकता की कमी है। वर्ग 6 से 8 के बच्चे अन्य विषयों की अपेक्षा विज्ञान एवं गणित विषय में रुचि कम ले रहे हैं।

समाधान :– विज्ञान विषय में बच्चों की रुचि एवं जागरुकता बढ़ाने हेतु विज्ञान के अनेक सिद्धांतों पर आधारित अनेक सहज प्रयोग एवं गतिविधियां समय–समय पर लगातार आयोजित की जा रही है।

प्रभाव :– अब विज्ञान एवं गणित बच्चों के लिए सर्वाधिक रुचिकर एवं पसंदीदा विषय लग रहा है। विज्ञान की अनेक अवधारणाएं उन्हे खेल–खेल में समझ आ रही है तथा उनकी जिज्ञासा उतरोत्तर बढ़ रही है।

विज्ञान विषय पर आयोजित विभिन्न प्रयोगों का लिंक :–

(1) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02UYdPcGY66qCggeTvsJeErZ4LEQUifLXeNw76HLkKDWWbnWkGWvX1udBoPSigjZyal&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

(2) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid0aiwv4SioWsK8wSe9VqtFe8LUPj6M7x1iaZZCSEQhzbPcZUQiiqCGFny1oSBoT7Tyl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

(3) https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=pfbid02QgxydCqeoNrAZoH4r4VCSewiLMhUvPE73J41rvR2Mz9xtCPaG7RRHkbP66ww1GEsl&id=100007930361048&sfnsn=wiwspmo&mibextid=RUbZ1f

4. स्वच्छ एवं आकर्षक विद्यालय :– विद्यालय परिसर का कुछ हिस्सा अत्यंत ही गंदा एवं कूड़ा स्थल के रुप में दिखाई दे रहा था। साथ ही विद्यालय का रंगरोगन भी काफी पुराना एवं धूमिल हो चुका था। बच्चों द्वारा कागज के टुकड़े एवं अन्य बेकार चीजें यत्र–तत्र फेंक देने के कारण वर्गकक्ष एवं विद्यालय परिसर गंदा दिखाई पड़ता था।

समाधान :– विद्यालय के बाल–संसद के साथ मिलकर विद्यालय परिसर के उन विशेष गंदे पड़े क्षेत्रों की पहचान कर वृहद साफ–सफाई की गई। साथ ही नियमित रुप से उन क्षेत्रों की भी सफाई निरंतर की जाती है। विद्यालय के रंगरोगन हेतु विद्यालय शिक्षा समिति से सहमति एवं समर्थन प्राप्त कर समग्र अनुदान मद से उच्च गुणवत्ता के पेन्ट द्वारा विद्यालय का रंगरोगन किया गया है। प्रत्येक वर्गकक्ष के लिए डस्टबीन एवं हाथ धुलाई के लिए **साबून बैंक** की स्थापना की गई है तथा किशोर बच्चियों के आकस्मिक परिस्थिति के लिए **पैड बैंक** की व्यवस्था की गई है।

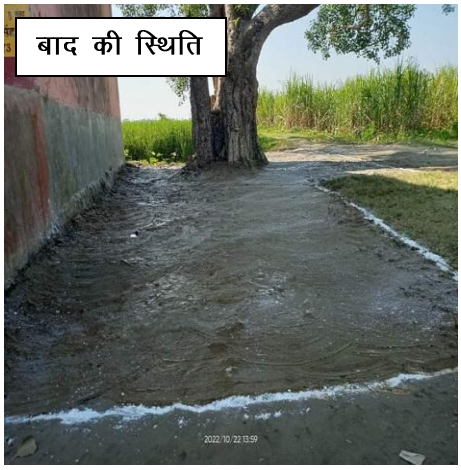

4. बच्चों के बैठने की समस्या :– यह देखा गया कि वर्ग 1 एवं वर्ग 2 के बच्चो के बैठने के लिए बेन्च–डेस्क उपलब्ध नहीं है। बच्चे नीचे ही बोरा पर बैठते है।

समाधान :– इस समस्या को विद्यालय शिक्षा समिति की बैठक में रखा गया। सबकी सहमति एवं समर्थन से वर्ग 1 एवं 2 के बेन्च–डेस्क हेतु पर्याप्त राशि की अनुपलब्धता के कारण मैट क्रय करने का निर्णय लिया गया और दोनों वर्ग कक्षों हेतु मैट की व्यवस्था कर दी गई है।

प्रभाव :– मैट बिछाने के उपरान्त वर्गकक्ष काफी आकर्षक एवं सुन्दर हो गया है। बच्चों का उमंग देखते ही बनता है। वे बहुत ही मस्ती में लोट–पोट करते हुए खेलते एवं सीखते रहते है।

सुझावः—

''अंधकार को क्यूं धिक्कारे,
अच्छा है एक दीप जलाएं।''

इससे फर्क नहीं पड़ता कि हमारी दशा क्या है,फर्क इससे पड़ता है कि हमारी दिशा क्या है। प्रतिकूल परिवेश एवं परिस्थितियां न होती तो मुझे इतना कुछ करने का अवसर भी नहीं मिलता। दृढ संकल्प, सकारात्मक सोच एवं बदलाव का जज्बा हो तो सीमित संसाधनों में भी परिस्थितियों को बदला जा सकता है। इसके लिए विद्यालय के प्रधानाध्यापक का कुशल नेतृत्व, सभी शिक्षक—शिक्षिकाओं एवं समुदाय का सकारात्मक सहयोग प्राप्त कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की रोशनी समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों के घरों तक पहुंचाई जा सकती है। मेरा मानना है कि बस कदम बढ़ाने की देरी है, रास्ता खुद—बखुद बन जाएगा।

'' मेरा विद्यालय,मेरी प्रतिष्ठा।''

प्रस्तुतकर्त्ता

शैलेन्द्र कुमार
प्रखण्ड शिक्षक
रा0उ0म0वि0 औसानी
प्रखण्ड बगहा—2,प0चम्पारण।
मोबाइल नं0—9939671700